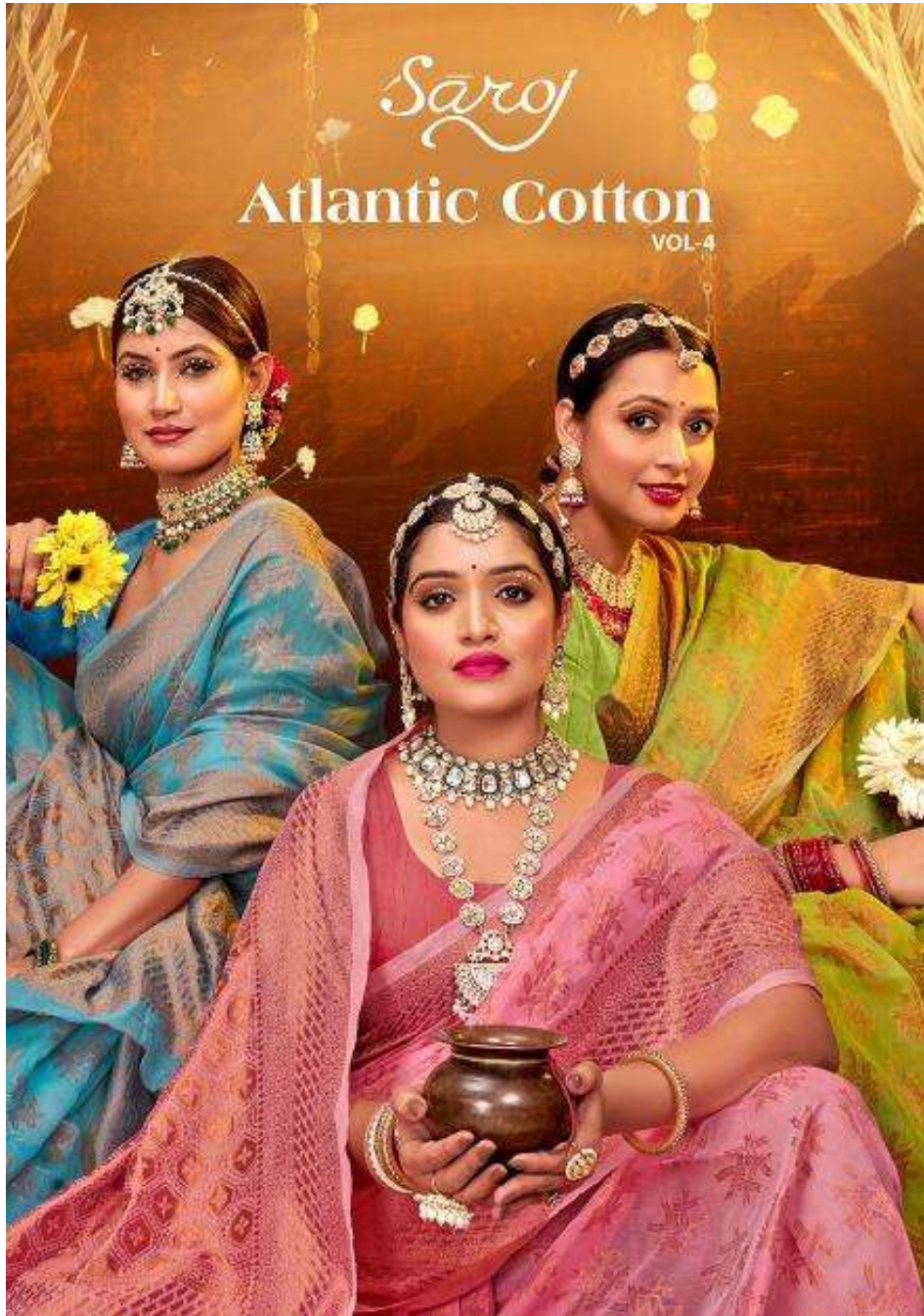




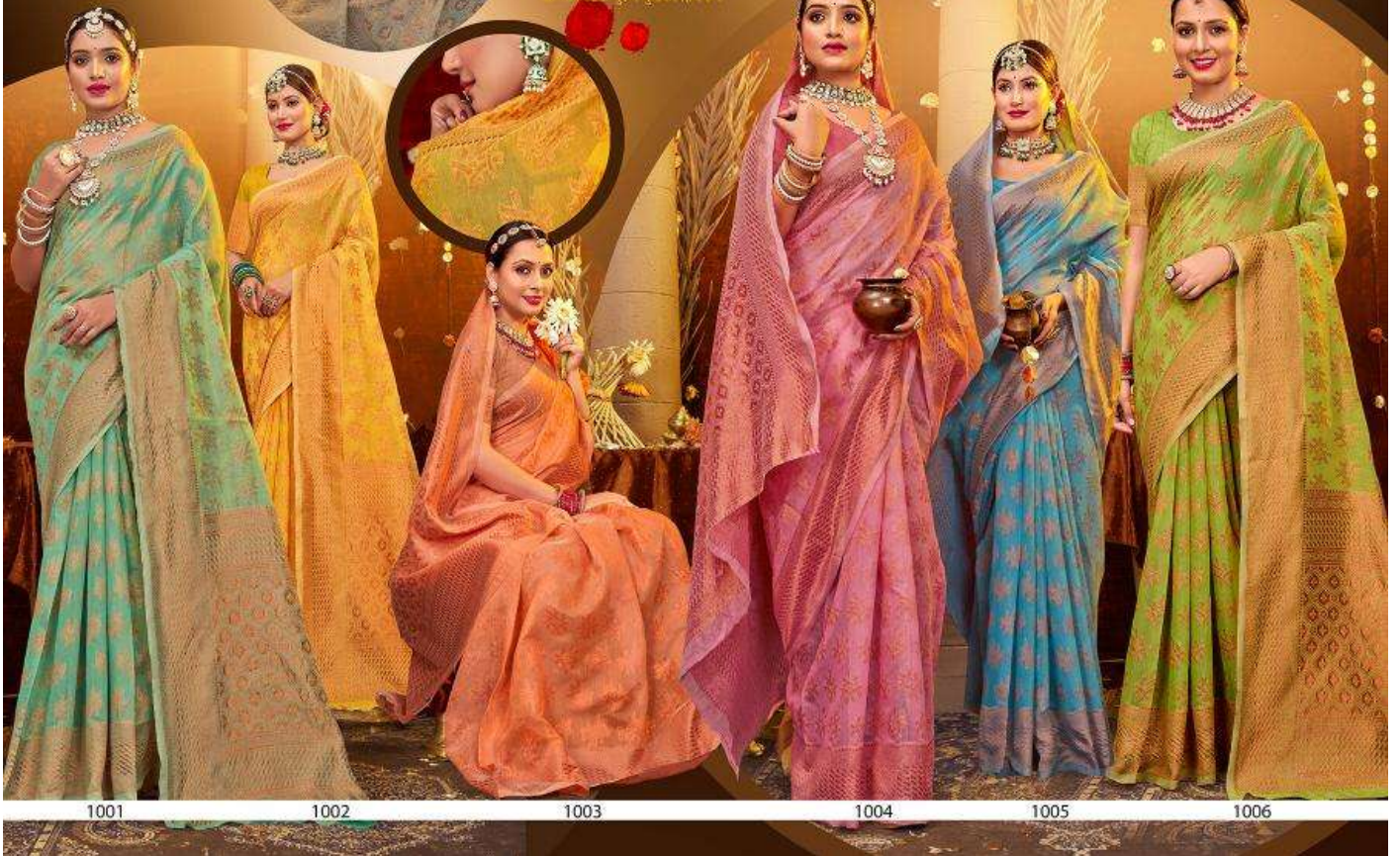
1004

*Saraj*  
Atlantic Cotton  
VOL-4



Saraj

जो न कर्मो ललित होता है, न द्वेष करता है,  
न शोक करता है, न कामना करता है  
ज्या जो श्रम और सदाय संपूर्ण कर्मों का लक्ष्यी है-  
अरु भक्तियुक्त, पुरुष मुझको प्रिय है।



1001

1002

1003

1004

1005

1006



1001



1002



1003



1004



1005





1006